कोटद्वार, शुक्रवार
6 सितम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 131 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

महाराज के निर्देश पर जागड़ा पर्व पर आज विद्यालयों में अवकाश घोषित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने जिलाधिकारी, देहरादून और उत्तरकाशी को जागड़ा पर्व (श्री महासू देवता, हनोल) में शुक्रवार (06 सितम्बर, 2024) को जागड़ा पर्व के उपलक्ष्य में गत वर्ष की भांति विकासखण्ड कालसी, चकराता, त्यूनी (देहरादून) तथा मोरी, पुरोला (उत्तरकाशी) में अवकाश घोषित किए जाने के निर्देश जारी किए थे। श्री महाराज के अनुरोध पर जिलाधिकारी, देहरादून और उत्तरकाशी के निर्देश पर दोनों जनपदों के मुख्य शिक्षाधिकारी ने जागड़ा पर्व (श्री महासू देवता, हनोल) के उपलक्ष्य में पूर्व वर्ष की भांति इस बार भी विकासखण्ड कालसी एवं विकासखण्ड पुरोला एवं मोरी क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। श्री महाराज ने कहा कि 06 सितम्बर 2024 को महासू देवता, हनोल एंव चालदा महाराज, दसऊ में जागरा पर्व मनाया जायेगा। विकासखण्ड पुरोला तथा मोरी क्षेत्र के लोगों का यह मुख्य पर्व होने के कारण सम्बन्धित मन्दिरों में अत्यधिक संख्या में श्रद्वालु उक्त पर्व में प्रतिभाग करते हैं। इसलिए इस अवसर पर अवकाश घोषित किया गया है।

12 वर्षीय बच्चे की मुफ्त सर्जरी कर नया जीवन दिया

देहरादून। पांच माह से बाहर निकली आंत को लेकर बेहाल 12 वर्षीय बच्चे की कोरोनेशन अस्पताल में मुफ्त सर्जरी कर नया जीवन दिया है। पीएमएस डॉ. वीएस चौहान ने मुफ्त की अनुमति दी और वरिष्ठ सर्जन डॉ. एसडी सकलानी ने उसका ऑपरेशन कर दिया। डॉ. सकलानी ने बताया कि एक साल पूर्व आंतों में पानी भर जाने एवं अपेंडिक्स की समस्या होने पर दून अस्पताल में ऑपरेशन हुआ था। जिसमें आंत बाहर निकाल दी गई थी। सात माह बाद आंतों को ऑपरेशन कर अंदर करना था। आधार, आयुष्मान कार्ड और पैसे नहीं होने की वजह से सर्जरी नहीं हो पा रही थी। वह आंत को लेकर परेशान घूम रहा था और मल से सारे कपड़े गंदे हो जाते थे। चाइल्डलाइन उत्तरकाशी के सहयोग से बच्चा यहां पहुंचा। चाइल्डलाइन सुपरवाइजर अनूप रतूडी ने बताया कि बच्चे फैसल के पिता रफीक भुट्टे बेचकर परिवार की गुजर बसर करते हैं। चाइल्डलाइन के आउटरीच कार्यक्रम में बच्चे को परेशानी में देखा। उसे जिला अस्पताल उत्तरकाशी से हायर सेंटर रेफर किया। 25 अगस्त को एम्स ऋषिकेश में तमाम कोशिशों के बाद भर्ती नहीं किया गया। फिर कोरोनेशन अस्पताल लाए तो बच्चे को भर्ती किया गया और कई जांचों एवं खून चढ़ाकर ऑपरेशन किया गया। आधार कार्ड बनवा दिया गया है, आयुष्मान भी बनवाएंगे।

विजयनगर में ज्वैलर्स की दुकान में 3 लाख के आभूषण चोरी

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि के विजयनगर बाजार में बुधवार रात करीब एक बजे अज्ञात चोर ने एक ज्वेलरी शॉप का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। दुकान में रखी करीब 3 लाख की चांदी एवं अन्य आभूषण पर हाथ साफ करते हुए चोर फरार हो गए। इधर, मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार विजयनगर के बिष्ट कॉलोनी में चोर ने गढ़वाल ज्वेलर्स का ताला तोड़कर शो केस में रखे करीब 3 लाख मूल्य के चांदी के आभूषण और 35 हजार की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर ने दुकान में रखी तिजोरी को तोड़ने का भी प्रयास किया। जबकि उसी दौरान दुकान के ऊपरी मंजिल पर रह रहे मकान मालिक राजेन्द्र बिष्ट को खटर–पटर की आवाज सुनाई दी और वह बाहर आ गए, देखा तो दुकान का शटर खुला था, वह शोर मचाने लगे और तब तक चोर फरार हो गए। मकान मालिक जब दुकान तक पहुंचे तो चोर ओझल हो चुके थे। दुकान पर लगा शीशे का दरवाजा नीचे से टूटा हुआ पाया तो उन्होंने दुकान के सामने किराऐ पर रहे ज्वेलर्स शॉप मालिक अशोक कुमार को बुलाया। उन्होंने अंदर जाकर देखा तो शोकेस में रखे चांदी के आभूषण और नगदी गायब मिली।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री ने शिक्षकों को शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से किया सम्मानित

● वर्तमान समय में गुणवत्तापरक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही नवीन टेक्नोलॉजी को अपनाना जरूरी है : राज्यपाल ● राज्य के विकास और नौनिहालों के भविष्य को बनाने में राज्य सरकार शिक्षकों की हर संभव मदद करेगी : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : ''शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार'' सम्मान समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वर्ष 2023 में शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कारों के लिए चयनित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित सम्मान समारोह में वर्ष 2023 के लिए चयनित 19 शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों एवं दुर्गम क्षेत्रों में विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षक वास्तव में सम्मान के अधिकारी हैं। राज्यपाल ने कहा कि गुरु का स्थान सबसे ऊपर है। राज्य शैक्षिक पुरस्कार से चयनित उत्कृष्ट शिक्षक अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। राज्यपाल ने कहा कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विश्व गुरु और विकसित भारत बनाने की दिशा में शिक्षकों की अहम भूमिका होगी। शिक्षकों से कहा बच्चों के सर्वांगीण विकास का दायित्व आप सभी के कंधों पर ही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गुणवत्तापरक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ ही नवीन टेक्नोलॉजी को अपनाना जरूरी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन शिक्षकों के प्रति आदर सम्मान प्रकट करने का दिन है। आज के दिन सम्मानित हो रहे शिक्षकों ने समाज में ज्ञान का संचार एवं अपने अनुभव और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के जीवन को आकार देने का कार्य किया है। भारतीय संस्कृति में गुरु का सर्वोच्च स्थान होता है। शिक्षक हर स्थिति में अपने विद्यार्थी को मार्गदर्शन देने का कार्य करता है। गुरु ही अपने प्रकाश से अंधकार की अज्ञानता को दूर करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन इतिहास में गुरु शिष्य परंपरा का उल्लेख मिलता है। शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षक अन्य लोगों को भी प्रेरणा देंगे एवं समाज के लिए रोल मॉडल हैं। गुरु का कार्य शिक्षा देने के साथ ही अपने शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माण, अनुशासन एवं समाज के प्रति भावनाओं को जागृत करना भी है। वर्तमान समय में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता है। धीरे-धीरे समाप्त हो रहे मूल्यों को पुनः जागृत करने का जिम्मा भी गुरुओं का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल युग में शिक्षकों की भूमिका और बढ़ गई है। तकनीकी विकास और वैश्वीकरण के दौर में शिक्षक, छात्रों को संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा राज्य के विकास और नौनिहालों के भविष्य को बनाने में राज्य सरकार शिक्षकों की हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। राज्य में शिक्षकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। शिक्षकों को नवाचार से जोड़ने पर निरंतर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य के शिक्षक हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान भी शिक्षकों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण मनोयोग से किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शैलेश मटियानी पुरस्कार के तहत मिलने वाली धनराशि को दस हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये किए जाने की घोषणा की। इस मौके पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रामन, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, सचिव संस्कृत शिक्षा दीपक कुमार, अपर सचिव शिक्षा रंजना राजगुरु, शिक्षा विभाग के अन्य उच्च अधिकारीगण और पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाएं व उनके परिजन उपस्थित रहे।

आज चार जनपदों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, एहतियात बरतने की दी सलाह

देहरादून । प्रदेशभर में मानसून की वर्षा का दौर अभी जारी रहेगा। शुक्रवार को बागेश्वर जनपदों में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है जिसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही देहरादून, चमोली व नैनीताल जनपद में कहीं–कहीं तेज वर्षा संभव है। इन तीन जनपदों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पर्वतीय क्षेत्रों में आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, चंपावत व टिहरी जनपद में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम गति अथवा गरज के साथ वर्षा हो सकती है।

बादलों के बीच गर्मी व उमस ने किया बेहाल

गुरुवार को शहर के रायपुर, सहस्त्रधारा, हरिद्वार बाईपास, जाखन, एफआरआइ क्षेत्र में दोपहर दो से चार बजे के बीच रुक–रुककर तेज वर्षा हुई। इस दौरान करनपुर क्षेत्र में 40.मिमी, झाझरा में 38.3 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। अन्य मैदानी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदल रहा, बादलों के बीच गर्मी व उमस ने बेहाल किया। जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में बीती रात को अधिकांश स्थानों पर वर्षा हुई। देहरादून व आसपास के मैदानी इलाकों में पूर्वाह्न व अपराह्न को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे।

दून का अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.4 व 26.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया। मसूरी, ऋषिकेश, हरिद्वार व आसपास के मैदानी इलाकों में दोपहर को तेज बौछारें पड़ी और कुछ देर बाद धूप खिलने से उमस में इजाफा हो गया।

भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि शुक्रवार को बागेश्वर जनपद में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। देहरादून, चमोली, नैनीताल में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है।

सोनप्रयाग से 3500 से अधिक यात्री हुए केदारनाथ रवाना

रुद्रप्रयाग। बाबा केदार के दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि, अभी सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच हाईवे पर काम चल रहा है।

यहां वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। बारिश होने के कारण सोनप्रयाग के पास दिक्कतें हो रही हैं। जिसके चलते पुलिस यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मौसम के अनुसार यात्रियों की आवाजाही करा रही है। वहीं, हेलीकॉप्टर से भी केदारनाथ के लिए यात्रियों का आवागमन जारी है। आपदा के बाद केदारनाथ से अपने घरों को लौट आए कारोबारियों को भी सरकार ने बड़ी राहत दी गई है।

उन्हें हेलीकॉप्टर से निशुल्क केदारनाथ भेजा जा रहा है। गुरुवार को स्थानीय लोग हेली से केदारनाथ पहुंचे। इंस्पेक्टर सोनप्रयाग देवेंद्र असवाल ने बताया कि गुरुवार को 3500 से अधिक यात्री केदारनाथ रवाना किए गए। मौसम के अनुसार यात्रा संचालित की जा रही है।

उत्तराखंड में चली तबादला एक्सप्रेस, पांच जिलों के कप्तान बदले

● आइपीएस अभिनव कुमार को मिली जिम्मेदारी

देहरादून। सरकार ने बुधवार को जिलाधिकारियों के तबादले के बाद गुरुवार को पांच जिलों के पुलिस कप्तान भी बदल दिए। इस कड़ी में ऊधम सिंह नगर व टिहरी समेत पांच जिलों के नए पुलिस कप्तान बनाए गए हैं। साथ ही प्रभारी पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार को कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आइपीएस अभिनव कुमार का मूल पद अपर पुलिस महानिदेशक का है।

इस कारण उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। अभी तक कानून–व्यवस्था का पदभार देख रहे अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमान को अभिसूचना का जिम्मा सौंपा गया है। सरकार ने प्रदेश में बढ़ रही अपराध की घटनाओं के दृष्टिगत अब पुलिस मुख्यालय से लेकर जिलों तक में 15 आइपीएस अधिकारियों के पदभार में बदलाव किया है। सचिव गृह शैलेश बगोली द्वारा जारी आदेश के अनुसार आपीएस मणिकांत मिश्र को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर का पदभार सौंपा गया है। यह जिम्मेदारी देख रहे मंजूनाथ टीसी को पुलिस अधीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय के पद पर तैनाती दी गई है। आयुष अग्रवाल को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी बनाया गया है। अब तक यह जिम्मेदारी देख रहे नवनीत सिंह को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ के पद पर भेजा गया है। अमित श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी का दायित्व दिया गया है। अक्षय प्रह्लाद कोंडे को पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग बनाया गया है तो चंद्रशेखर घोड़के को पुलिस अधीक्षक बागेश्वर की जिम्मेदारी दी गई है। शासन ने नीरू गर्ग को पुलिस महानिरीक्षक पीएसी व एटीसी की कमान सौंपी है। मुख्तार मोहसिन को पुलिस महानिरीक्षक फायर सर्विस का जिम्मा दिया गया है। अरुण मोहन जोशी को पुलिस महानिरीक्षक तथा निदेशक यातायात व चारधाम यात्रा प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्वेता चौबे को सेनानायक आइआरबी द्वितीय की कमान दी गई है। अर्पण यदुवंशी को सेनानायक एसडीआरएफ बनाया गया है। वहीं, शासन ने पुलिस अपराध की घटनाओं पर नजर रखने के लिए विशाखा अशोक भदाणे को पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध, पुलिस मुख्यालय का दायित्व सौंपा है।

भारत–सिंगापुर के बीच चार बड़े समझौतों पर लगी मुहर

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं। यह बात उन्होंने गुरुवार को सिंगापुर के पीएम लौरेंस वोंग के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कही। दोनों नेताओ ने भारत और सिंगापुर के मौजूदा रणनीतिक साझेदारी संबंधों को दर्जा बढ़ा कर समग्र रणनीतिक साझेदारी करने का फैसला किया।

चार अहम समझौतों पर हस्ताक्षर

तीन हफ्तों के भीतर हिंद प्रशांत क्षेत्र का दूसरा देश है जिसके साथ भारत ने अपने रिश्तों की दर्जा बढ़ाया है। पिछले पखवाड़े 20 अगस्त, 2024 को भारत और मलेशिया के बीच ऐसी ही सहमति बनी थी। इसका मतलब यह हुआ कि इन देशों के साथ भारत रक्षा, कारोबार, सैन्य, संचार जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे के हितों की रक्षा करने में सहयोग दें। मोदी और वोंग की अगुवाई में दोनों देशों के बीच चार अहम समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। ब्रुनेई की यात्रा के बाद पीएम मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचे थे। गुरुवार को उनकी पीएम वोंग और राष्ट्रपति थर्मन शन्मुगरत्नम के साथ मुलाकात की। जबकि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की अगुवाई में आधिकारिक वार्ता हुई।

भारत में बनेंगे कई सिंगापुर

वोंग सिंगापुर में चौथी पीढ़ी के प्रधानमंत्री हैं जिस पर पीएम मोदी ने उन्हें खास तौर पर बधाई दी। मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है फोर–जी (चौथी पीढ़ी) के नेतृत्व में, सिंगापुर और अधिक तेजी से प्रगति करेगा। सिंगापुर केवल एक पार्टनर–देश नहीं है। सिंगापुर, हर विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा है। हम भी भारत में अनेकों सिंगापुर बनाना चाहते हैं। और मुझे खुशी है कि हम इस दिशा में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी की यात्रा के बाद भारत व सिंगापुर की तरफ से जारी संयुक्त बयान में चीन के आक्रामक रवैये से साउथ चीन सी की मौजूदा स्थिति की तरफ सीधा इशारा किया गया है और इस क्षेत्र के सभी देशों और दूसरे अन्य देश जो इससे जुड़े हुए नहीं हैं, उनके लिए एक आचार संहिता बनाने की मांग की गई है। यह आचार संहिता अंतरराष्ट्रीय कानून व संयुक्त राष्ट्र की समुद्र से जुड़े नियम (यूएनक्लोज) के तहत बनाने की बात कही गई है ताकि इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और आजादी सुनिश्चित हो। दोनों ने सभी पक्षों को बगैर किसी ताकत का इस्तेमाल किये शांतिपूर्ण तरीके से विवाद का निपटान करने का आग्रह किया है। वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए आतंकवाद को सबसे बड़ा खतरा बताते हुए दोनों देशों ने कहा है कि इसे किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के बीच सहयोग और बढ़ाया जाएगा।

पीएम मोदी ने सिंगापुर में तमिल भाषा के प्राचीन कवि थिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। उन्होंने सिंगापुर को भारत की एक्ट ईस्ट नीति का सूत्रधार बताया।

रणनीतिक संबंधों के 10 वर्षों के दौरान द्विपक्षीय कारोबार के दोगुना होने और सिंगापुर से भारत में होने वाले निवेश के तीन गुणा बढ़ कर 150 अरब डॉलर होने का जिक्र किया। इसके साथ ही रिश्तों का दर्जा समग्र रणनीतिक साझेदारी करने पर खुशी जताई।

निर्वतमान जिलाधिकारी सोनिका को विदाई दी

देहरादून। निर्वतमान जिलाधिकारी सोनिका को कलेक्ट्रेटके अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा विदाई दी गई। इस दौरान अधिकारियों/कार्मिको द्वारा जिलाधिकारी सोनिका के 02 वर्ष के कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए उनके सानिध्य में किये गए कार्यों को याद किया। जिलाधिकारी रहते हुए सोनिका के मार्गदर्शन/निर्देशन जी–20, ग्लोबल इन्वेस्टर समिट एवं लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 सफलता पूर्वक सम्पन्न कराये गए। अधिकारी/कार्मिकों द्वारा उनके सानिध्य में किये गए कार्यों को सराहा तथा उनको नई पारी की शुभकामना दी।

निर्वतमान जिलाधिकारी सोनिका ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब आप जनपद स्तर पर कार्यरत होते है, तो आपके जनमानस, असहाय, जरूरतमदों की सेवा करने का सीधा अवसर प्राप्त होता है, यदि आप किसी की मदद करते हैं तो आपको अलग प्रकार की संतुष्टि प्राप्त होती है। उन्होंने जनपद में हुए बड़े आयोजन जी–20, वाई–20, ग्लोबर इन्वेस्टर समिट तथा लोकसभा निर्वाचन को सफलतापूर्व सम्पन्न कराने में टीम भावना को सराहा तथा आशा व्यक्त कि भविष्य में इसी प्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन करेगें।

सितंबर महीने के लिए सस्ती हुई बिजली की दरें

देहरादून। ऊर्जा निगम ने सितंबर महीने के लिए बिजली की नई दरें जारी कर दी हैं। इस बार फ्यूल एंड पॉवर परचेज कॉस्ट एडजेस्टमेंट में रिबेट देने का फैसला लिया गया है। इसके चलते सितंबर महीने में बिजली की दरों में सात पैसे से लेकर 26 पैसे प्रति यूनिट की छूट उपभोक्ताओं को प्राप्त होगी। केंद्र सरकार की ओर से हर महीने फ्यूल एंड पॉवर परचेज कॉस्ट एडजेस्टमेंट की व्यवस्था को लागू किए जाने का नियम बनाया। इसके तहत अब हर महीने बिजली खरीद का भार और राहत उपभोक्ताओं पर दी जाती है। इस महीने कम बिजली खरीद के कारण उपभोक्ताओं को राहत मिली है। बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं को सात पैसे प्रति यूनिट की छूट दी गई है। घरेलू उपभोक्ताओं को 18 पैसे, कमर्शियल उपभोक्ताओं को 26 पैसे, सरकारी संस्थानों को 25 पैसे प्रति यूनिट की छूट दी गई है। प्राइवेट ट्यूबवेल को आठ पैसे, कृषि गतिविधियों के लिए 11 पैसे, एलटी और एचटी इंडस्ट्री को 25 पैसे, मिक्सड लोड 23 पैसे, रेलवे 23 पैसे और इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन को भी बिजली बिलों में 22 पैसे प्रति यूनिट की छूट मिलेगी।

छूट का प्रचार, महंगी पर चुप्पी

ऊर्जा निगम की ओर से बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने वाले आदेश का जमकर प्रचार किया जाता है। गुरुवार को भी तत्काल आदेश सार्वजनिक प्लेटफार्म पर जारी कर दिए गए। जिन महीनों में रेट बढ़ाए जाते हैं, उन्हें सार्वजनिक किए जाने से परहेज किया जाता है।

बिजली खरीद को व्यवस्थित किया जा रहा है। समय पर पॉवर परचेज एग्रीमेंट किए जा रहे हैं। ताकि महंगी बिजली खरीद से बचा जा सके। उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक राहत उपलब्ध कराई जा सके।

— अनिल कुमार, एमडी यूपीसीएल

अपनी खुशी के लिए किसी को जेल में डाल देंगे?

केजरीवाल की जमानत अर्जी पर सिंघवी ने कोर्ट में दी दलील

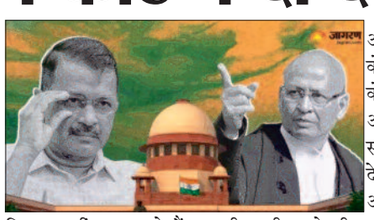

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत और कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर भी पक्ष रखा। मनु सिंघवी ने कहा कि सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को इंश्योरेंस अरेस्ट किया है। ऐसा इसलिए कि वे जेल से बाहर न आ सकें। आप ऐसे ही किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। अपनी खुशी के लिए आप किसी को जेल में नहीं डाल सकते हैं। गिरफ्तारी का कोई आधार हो होगा। बता दें कि 'इंश्योरेंस अरेस्ट' शब्द का इस्तेमाल तब करते हैं, जब गिरफ्तारी यह सुनिश्चित करने के लिए की जाए कि आरोपी जेल से बाहर न आ सके। केजरीवाल को जमानत दिए जाने के पक्ष में सिंघवी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक संवैधानिक पद पर हैं। न उनके देश छोड़कर भागने का खतरा है और न समाज के लिए खतरा हैं। केजरीवाल के वकील ने कहा कि सख्त नियमों के बावजूद केजरीवाल को दो बार रिलीज किया जा चुका है। इसलिए, उन्हें अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। ऐसे में सीबीआई केस में जमानत क्यों नहीं मिल सकती है।

तेलंगाना में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़, छह नक्सली ढेर

जगदलपुर। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में गुरुवार सुबह पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 6 माओवादी मारे गए और दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम जिला अधीक्षक रोहित राज ने बताया कि छत्तीसगढ़ बीजापुर जिले की सीमा से लगे तेलंगाना के भद्रादीकोठागुडम जिला और पिनपाका मंडल करकागुडम के जंगल में गुरुवार तड़के हुई मुठभेड़ में ग्रेहाउंडस के जवानों ने कमांडर लक्ष्मण सहित छह नक्सलियों को मार गिराया। रोहित राज ने आगे बताया कि मुठभेड़ में तेलंगाना पुलिस के दो जवान घायल हो गए हैं, जिनमें से एक जवान की हालत गंभीर है। जवानों को भद्रावलम के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक जवान की हालत गंभीर है।

छत्तीसगढ़ से तेलंगाना भाग रहे थे नक्सली

ऑपरेशन में एसपी पंकज परितोष ने बताया है कि पुलिस के बढ़ते दबाव से नक्सलियों के छत्तीसगढ़ से भागकर तेलंगाना आने की जानकारी मिली थी।

सिक्किम में बड़ा सड़क हादसा

गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, चार जवानों की मौत

नई दिल्ली। सिक्किम के पाक्योंग जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में सेना के चार जवानों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि सेना का वाहन गहरी खाई में गिर गया था। ये हादसा गुरुवार को हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, सेना का वाहन पश्चिम बंगाल के पेडोंग से सिल्क रूट पर सिक्किम के जुलुक जा रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने चार जवानों की मौत की पुष्टि की है। सभी मृतक पश्चिम बंगाल के बिनागुरी की एक यूनिट के थे।

ड्रावर समेत चार की मौत

मृतकों में मध्य प्रदेश के रहने वाले वाहन चालक प्रदीप पटेल, मणिपुर के पीटर, हरियाणा के नायक गुरसेव सिंह और तमिलनाडु के सूबेदार के. थंगापंडी शामिल हैं।

संपादकीय

पहाड़ों में बदहाल सड़कें

इस मानसून में उत्तराखंड में अपने पीछे कही दर्द देने वाले निशान छोड़े हैं। हालांकि हर मानसून की एक ही कहानी है और हर बार उत्तराखंड भारी बारिश के कारण परेशानियों को झेलता आया है। उत्तराखंड के पहाड़ों को सबसे अधिक नुकसान क्षतिग्रस्त सड़कों के रूप में हुआ है। मानसून के बाद भी बरसात का कहर है और कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़के अपना अस्तित्व खो चुकी है। हर वर्ष पहाड़ों में सड़कों की दशा सुधारने एवं निर्माण को लेकर अच्छा खासा बजट खर्च किया जाता है। कहीं घटिया गुणवत्ता के कारण सड़क अधिक नही चलती तो कही प्राकृतिक आपदा की आड़ में सड़कों की निम्न गुणवत्ता और टिकाऊपन बह जाता है। जरूरी है कि उत्तराखंड में पहाड़ों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सड़कों के निर्माण के लिए तैयारी की जानी चाहिए। प्राकृतिक आपदा को छोड़ दें तो कई स्थानों पर तो ठेकेदारों ने अपनी नाकामियों का ठीकरा भी प्रकृति पर फोड़ना शुरू कर दिया है। पर्वती क्षेत्र में सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि न केवल स्थानीय लोगों को आवागमन की सुविधा हो बल्कि दुर्घटना से भी बचा जा सके। इसके अलावा पहाड़ों की सड़क स्थानीय लोगों की आजीविका को चलाने का एक महत्वपूर्ण मध्यम है और यदि सड़के ही क्षतिग्रस्त रहेंगी तो व्यावसायिक एवं सामाजिक अव्यवस्थाएं भी पैदा होगी। सामान्य व्यवस्थाओं को छोड़ दें तो पहाड़ों में वैसे भी सड़कों की स्थिति कोई खास अच्छी नही है। सड़कों के निर्माण का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य तौर पर किया जाता है और विभाग में टेंडर की प्रणाली का खेल किसी से छिपा नही है। इस बरसात में भी उत्तराखंड के पहाड़ों में सड़कों की बुरी दशा हुई है और कई सड़के तो ऐसी है जिन्हें दुरुस्त और पुरानी अवस्था में लाने के लिए लंबा समय लगने वाला है। सड़कों के निर्माण को लेकर कहीं ना कहीं प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाओं को भी नजरअंदाज किया गया है जिसका मुख्य उदाहरण ऑल वेदर रोड है जिसे कई स्थानों पर ऐसे पहाड़ों को काटकर निकाला जा रहा है क्यों कभी भी दरक सकते हैं। उत्तराखंड के पहाड़ों में पर्यटन की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं, लेकिन यदि परिवहन व्यवस्था ही जर्जर हालत में होगी तो फिर एक विकसित पर्यटन की कल्पना कैसे की जा सकती है? पहाड़ों में मैदानों जैसी व्यवस्थाओं के तहत सड़कों का निर्माण ना तो किया जा सकता है और ना ही यह सफल साबित होगी। इसके लिए उन्नत तकनीक की जरूरत है जो पहाड़ों में ही कारगर साबित हो। इसके लिए सिविल इंजीनियरों के विशेषज्ञों का पैनल तैयार किया जा सकता है या फिर हाईटेक इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटीज की मदद ली जा सकती है। उद्देश्य पहाड़ों में रहने वाले लोगों एवं पहाड़ों में आने वालों की सुरक्षा तथा सुविधा से जुड़ा हुआ होना चाहिए।

मोदी की यूक्रेन यात्रा

सत्येन्द्र रंजन

हकीकत यह है कि यूक्रेन यात्रा का एलान मोदी की रूस यात्रा पर पश्चिम में हुई तीखी प्रतिक्रिया की पृष्ठभूमि के बीच किया गया था। आरंभ में इसको लेकर अपेक्षाएं बढ़ाई भी गईं। अब उन्हें संभवतः इसलिए नियंत्रित को सोचा गया है, क्योंकि ये हकीकत सामने है कि इस यात्रा से कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

यह स्वागतयोग्य है कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन को लेकर उम्मीदों और अटकलों का बाजार ठंडा करने की कोशिश की है। 23 अगस्त को होने वाली मोदी की इस यात्रा की पुष्टि 19 अगस्त को की गई। उसी रोज भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने मीडिया ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया कि इस यात्रा का मकसद यूक्रेन और रूस के बीच प्रत्यक्ष मध्यस्थता करना नहीं है। वैसे इस बारे में भारत का कोई आधिकारिक बयान नहीं है।

उधर पश्चिमी कूटनीतिज्ञों ने संभावना जताई है कि भारत दोनों देशों के बीच संदेशों के आदान-प्रदान का माध्यम बन सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले कुछ मौकों पर यह कह चुके हैं कि भारत ने संवेदशवाहक की भूमिका निभाई है। काला सागर अनाज समझौते और जापोरिझिया परमाणु संयंत्र के मुद्दे पर ऐसा रोल भारत ने निभाया था। जयशंकर ने कहा था- ह्यहम वो देश हैं, जिसने रूसी नेताओं के साथ इस (यूक्रेन युद्ध) मुद्दे पर खुल कर और दो टूक बात की है। विभिन्न पहलुओं पर दूसरे देशों ने हमारा इस्तेमाल संदेश भेजने के लिए किया है।ह्ल

अब यह बात बहुत से लोगों को नागवार गुजर सकती है कि भारत की भूमिका विभिन्न देश आज एक संदेशवाहक के रूप में देखते हैं। इसलिए कि जो देश विश्व कूटनीति में अपनी खास आवाज और नजरिया रखते हैं, वे दूसरों के संदेशों को अन्य देशों तक नहीं पहुंचाते। उनके पास देने के लिए अपना संदेश होता है। वैसे भी जिन संदेशों को भारत ने पहुंचाया, आखिर उनसे हासिल क्या हुआ है?

फिलस्तीन में गजा नरसंहार और यूक्रेन युद्ध आज दुनिया में दो सबसे बड़े मसले हैं। यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए कई हलकों से फॉर्मूले पेश किए गए हैं, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी है। बीते जून में स्विट्जरलैंड ने इस मुद्दे पर शांति सम्मेलन का आयोजन किया, मगर बात आगे नहीं बढ़ी, क्योंकि उसमें रूस को आमंत्रित ही नहीं किया गया था। इसके पहले एक बहुचर्चित फॉर्मूला चीन की तरफ से आया, जिसे यूक्रेन और रूस दोनों ने गंभीरता से लिया था। मगर चीन भी अपनी पहल में अब तक कामयाब नहीं हुआ है।

दरअसल, किसी फॉर्मूले पर प्रगति की कोई संभावना नहीं है, जब तक अमेरिका और नाटो सबकी सुरक्षा को समान महत्त्व देने को तैयार नहीं होते हैं। यूक्रेन में युद्ध का बुनियादी कारण रूस की सीमा तक नाटो के विस्तार की अमेरिकी जिद है। रूस को घेरने की उसकी कोशिश में यूक्रेन मोहरा बना है। भारत या कोई अन्य देश इस विवाद के बीच तभी अपनी कोई सार्थक भूमिका बना सकता है, जब उसके पास इस समस्या की यथार्थवादी समझ हो और वह उस समझ को दो टूक कहने का साहस भी दिखाए।

क्या पिछले ढाई साल में भारत ऐसा करता नजर आया है? जाहिर है, नहीं। इसके बदले प्रधानमंत्री ने कुछ जुमले जरूर बोले हैं। मसलन, यह कि ह्ययह युद्ध का युग नहीं हैह्ल और ह्याआज के दौर में लड़ाई के मैदान पर हार-जीत तय नहीं हो सकतीह्ल। ये वाक्य भारत में सुर्खियां बनाने के लिहाज से चाहे जितने प्रभावी रहे हों, विश्व कूटनीति में इनका कोई महत्त्व नहीं है। इसीलिए मोदी की यूक्रेन यात्रा भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय संबंध के लिहाज से चाहे जितना अहम हो, रूस-यूक्रेन विवाद के संदर्भ में उससे कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

वैसे भी मोदी की यात्रा उस समय हो रही है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध में नई तेजी आ गई है। यूक्रेन ने रूस के कुर्क्स इलाके में घुसपैठ कर युद्ध के साये को और घना कर दिया है। यह चर्चा जोरों पर है कि रूस अब इस लड़ाई का स्वरूप ह्यविशेष सैनिक कार्रवाईह्ल से बदल कर पूर्ण युद्ध का एलान कर सकता है। चूंकि कुर्क्स में हमला करने के लिए यूक्रेन ने नाटो से मिले हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल किया है, इसलिए आशंका है कि अब रूस खुल कर आसपास के पश्चिमी ठिकानों को भी निशाना बना सकता है। ऐसा हुआ, तो युद्ध सिर्फ दो देशों तक सिमटा नहीं रह जाएगा।

ऐसी खबरें हैं कि पिछले तीन दिन में रूस ने

यूक्रेन में पश्चिमी देशों से मिली रक्षा प्रणालियों को खुल कर निशाना बनाया है। इनमें अमेरिका से मिले हिमार लॉन्चर भी हैं।

चूंकि यूक्रेन ने अपनी सीमित शक्ति कुर्क्स इलाके में लगा दी है, तो उसका लाभ उठाते हुए रूसी सेना दोनबास इलाके में पिछले एक हफ्ते में तेजी से आगे बढ़ी है और उसने कई अहम यूक्रेनी मोर्चे फतह कर लिए हैं।

रूस की रणनीति से परिचित एक चीनी विशेषज्ञ ने अपने विश्लेषण में लिखा है कि रूसी सेना को संभवतः कुर्क्स क्षेत्र मुक्त कराने की कोई जल्दी नहीं है। बल्कि उसकी रणनीति होगी कि यूक्रेन अधिक से अधिक शक्ति वहां लगाए, ताकि दूसरे मोर्चों पर रूस का मकसद आसान होता जाए।

वैसे भी रूस की रणनीति यूक्रेन को जल्द से जल्द पराजित करने के बजाय इस टकराव को जमे हुए युद्ध की स्थिति में रखने की रही है। वजह रूस का यह आकलन है कि उसकी लड़ाई सिर्फ यूक्रेन से नहीं, बल्कि पूरे नाटो से चल रही है। ऐसे में क्षय का युद्ध की रणनीति के जरिए पश्चिमी देशों को इसमें उलझाए रखना और इस युद्ध के फलस्वरूप उन देशों में प्रतिकूल परिस्थितियों को और गंभीर बनाना रूस के दीर्घकालिक उद्देश्य के लिहाज से अधिक लाभदायक है। यह तो तथ्य है कि इस युद्ध के कारण अपने देशों में यूरोपीय शासकों की चुनौतियां लगातार बढ़ती गई हैं। उधर अमेरिका में वैसा ही मत विभाजन गजा मे जारी इजराइली नरसंहार ने पैदा किया है। पश्चिम के इन राजनीतिक संकटों को रूस अपने हित में मानता है। अच्छी बात है कि इस जटिल स्थिति का अहसास भारत की विदेश नीति के निर्माताओं को हुआ है और उन्होंने मोदी की यात्रा को लेकर अपेक्षाएं ना बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। इसके बावजूद हकीकत यह है कि यूक्रेन यात्रा का एलान मोदी की रूस यात्रा पर पश्चिम में हुई तीखी प्रतिक्रिया की पृष्ठभूमि के बीच किया गया था। आरंभ में इसको लेकर अपेक्षाएं बढ़ाई भी गईं। अब उन्हें संभवतः इसलिए नियंत्रित को सोचा गया है, क्योंकि ये हकीकत सामने है कि इस यात्रा से कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

अपराधों का केंद्र

भगवती प्र. डोभाल

आए दिन तिहाड़ जेल, जो देश ही नहीं एशिया की भी सबसे बड़ी जेल है, बंदी सुधार-गृह की बजाय अपराधों का केंद्र बन गई है। होना तो यह चाहिए था कि अपराधी कैदियों, जिन्हें सजा देकर कारावास में भेजा जाता है, में सुधार नजर आते पर वह नहीं हो रहा है।

हाल में विचाराधीन कैदियों के बीच तू-तू, मैं-मैं में एक कैदी को जान गंवानी पड़ी। एक अफगान नागरिक कैदी ने पैने हथियार से घोंपकर उसकी जान ले ली। दीपक सोनी शकूरपुर का रहने वाला था जिसे जेल नंबर 3 में रखा गया था, जहां वह सेवक के रूप में था। वहीं 44 वर्षीय अब्दुल बशीर अखोंडजादा अफगान नागरिक है। इस कैदी को लाजपतनगर में 2019 में हत्या के प्रयास में गिरफ्तार किया गया था। सोनी डकैती डालने के इल्जाम में कैद था। इस घटना ने तिहाड़ जेल के हालात सामने ला दिए हैं।

तिहाड़ सेंट्रल जेल दिल्ली के तीन जेल परिसरों में से एक है। अन्य दो जेल परिसर रोहणी और मंडोली में हैं। तिहाड़ जेल में नौ केंद्रीय जेल हैं। इस जेल परिसर की स्थापना 1957 में हुई थी। चार सौ एकड़ में फैले इस जेल कैम्पस की स्थापना सेंट्रल जेल के रूप में हुई थी। इसमें 5200 कैदी रह सकते हैं। तिहाड़ जेल दिल्ली सरकार के अधीन आती है। आश्चर्य की बात यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जो जेल के कर्ताधर्ता हैं, भी अब तिहाड़ जेल के कैदी बने हुए हैं। 1984 की शुरुआत में तिहाड़ जेल में अतिरिक्त सुविधाओं का निर्माण किया गया। आईपीएस अधिकारी किरण बेदी, जब जेल महानिरीक्षक थीं, ने तिहाड़ जेल में सुधार किए थे। उन्होंने इसका नाम बदल कर तिहाड़ आश्रम रखा था। 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार तिहाड़ जेल की कुल क्षमता 10 हजार 26 कैदियों की है, जबकि फिलहाल इसमें 18 हजार से ज्यादा कैदी बंद हैं। क्षमता से अधिक कैदी होने के कारण यहां खूंखार अपराधियों का साम्राज्य बन गया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक जेल नंबर दो में बंद हैं। यह भी दिलचस्प है, केजरीवाल ने खुद अपनी सरकार होते हुए भी कोई मंत्रालय अपने पास नहीं रखा था; लेकिन अब तिहाड़ में एक साथ दो विभाग संभाल रहे हैं-मुख्यमंत्री और कैदी का। तिहाड़ के लिए भी यह एक नया समीकरण है, क्योंकि कैदी होने के अलावा संवैधानिक तौर पर केजरीवाल दिल्ली में चुने हुए मुख्यमंत्री भी हैं और बिना त्यागपत्र दिए अंदर गए हैं। अब तिहाड़ जेल में नेताओं का आना-जाना लगा रहता है; इस कारण ऐसे मेहमानों के लिए खास इंतजाम भी हैं। खास यानी ऐसी जगह, जो चोर-उचक्कों, छंटे हुए बदमाशों या खूंखार गैंगस्टर या आतंकवादियों के सेल या ठिकानों से अलग है, इन खास जगहों में तिहाड़ का जेल नंबर एक, दो और चार विशेष हैं। दिल्ली सरकार के एक अन्य मंत्री रहे सत्येंद्र जैन भी जेल नंबर सात में बंद हैं।

आप के सांसद संजय सिंह को जेल नंबर पांच में रखा गया था, जिनको कोर्ट ने जमानत दे दी है। केजरीवाल सुबह सवेरे उठने वालों में से हैं, इसलिए उन्हें जेल मैन्युअल से कोई ज्यादा दिक्कत नहीं है। जेल में कैदियों की डेली रूटीन सुबह सूरज निकलने के साथ शुरू हो जाती है। सुबह छह बजे हर कैदी को उठना होता है। रोजमर्रा के काम निपटाने के बाद सुबह साढ़े छह से सात बजे के बीच उन्हें नाश्ता दिया जाता है, जिसमें आम तौर पर ब्रेड और चाय होती है। दोपहर का खाना 11 बजे दिया जाता है। दाल, सब्जी, पांच रोटी या चावल, दोपहर तीन बजे शाम की चाय मिलती है। इसके बाद तीन से पांच बजे तक जेल में कैदियों को खेलने और टहलने का मौका मिलता है। शाम सात बजे रात का खाना। खाने में दाल, सब्जी, पांच रोटी या चावल दिया जाता है। मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्टरी सलाह पर कैदियों को उनकी सेहत के अनुसार अलग से खाना मिलता है, इनमें घर का खाना भी होता है।हाल के दौर में तिहाड़ की जो असली तस्वीर हम देख रहे हैं, वो काफी बदली-बदली सी है। अब तिहाड़ का सच कुछ और ही है। अब तमाम कायदे-कानूनों पर अकूत धन का बोलबाला दिखाई पड़ रहा है। वीआईपी और रसूख वाले लोगों के सामने जेल की दीवारें छोटी पड़ रही हैं। 1957 आजादी के ठीक दस साल बाद दिल्ली के पश्चिमी छोर पर तिहाड़ गांव में जेल की इमारत बन कर तैयार हुई। इसके बनने के बाद नौ साल तक जेल को चलाने की जिम्मेदारी पंजाब के पास रही।

भाजपा के अंदर असंतोष उबाल

मोदी-शाह की जोड़ी बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। इसको लेकर पहले भी भाजपा के अंदर असंतोष उबलता होगा। मगर मोदी-शाह को किसी ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। नरेंद्र मोदी- अमित शाह के दौर में यह भारतीय जनता पार्टी के लिए नया अनुभव है। पहले कई नीतिगत मामलों में केंद्र को अपने निर्णय एवं इरादे से पीछे हटना पड़ा और अब ऐसा पार्टी के अंदर होना शुरू हो गया है। इस पूरे संदर्भ को ध्यान में रखें, तो जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की जारी पहली लिस्ट का वापस लिया जाना महत्त्वपूर्ण घटना बन जाता है। यहां प्रत्याशी सूची में कोई इक्का-दुक्का परिवर्तन नहीं हुआ। ना ही ऐसा नेतृत्व ने अपने आकलन के आधार पर ये कदम उठाया। 44 सदस्यों की जारी लिस्ट को कुछ देर में ही इसलिए वापस लेना पड़ा, क्योंकि जम्मू इलाके के भाजपा नेताओं/ कार्यकर्ताओं में उसको लेकर गुस्सा फूट पड़ा। प्रमुख शिकायत यह थी कि पार्टी में जीवन खपा देने वाले नेताओं की उपेक्षा करते हुए कुछ समय पहले ही दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाया गया है। लेकिन मोदी-शाह के युग में इस तरह टिकट देना कोई नई बात नहीं है।चुनाव जीतने की क्षमता को प्रमुख प्राथमिकता बना कर यह जोड़ी विभिन्न राज्यों में बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। स्पष्टतः इसको लेकर भाजपा के अंदर असंतोष उबाल लेता होगा। मगर मोदी-शाह को पार्टी के किसी खेमे ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। इस दौर की आम समझ यह रही है कि गुजरात से उभरते हुए इन दोनों नेताओं ने पहले भाजपा, और फिर देश की राज्य-व्यवस्था पर अपना वर्चस्व बना लिया। संभवतः इसमें वे इसलिए कामयाब रहे, क्योंकि उनकी पीठ पर अति प्रभावशाली हितों ने दांव लगा रखा है। लेकिन 2024 के आम चुनाव में लगे झटकों के बाद समीकरण बदलने के संकेत हैं। जिस तरह पार्टी ने सांसद कंगना राणावत के किसान विरोधी बयानों से किनारा किया है, वह भी एक नई प्रवृत्ति का संकेत है। यह सारा घटनाक्रम भारत के राजनीतिक परिदृश्य में युग परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होने का संकेत देता है। इससे फिर पुष्टि हो रही है कि लोकतंत्र में जो वोट खींचने में जितना सक्षम हो, उसी अनुपात में उसका सिक्का चलता है।

धुर-दक्षिणपंथ की उठती लहर

विश्व नेताओं के सामने धुर-दक्षिणपंथ की उठती लहर की चुनौती है, जिसे सीधे तौर पर चार दशकों से अपनाई गई नव-उदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम माना गया है। अब टैक्स की ऊंची दर को इसका एक समाधान समझा जा रहा है।

हाल में इटली से आई इस खबर ने सबको चौंकाया कि वहां की धुर-दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सरकार ने विदेशों में कमाए गए धन पर लगने वाले टैक्स को दो गुना कर दिया है। इटली सबसे कम टैक्स रेट वाले देशों में रहा है। इस रूप में वह उन देशों में है, दुनिया भर के अति धनी लोगों में जहां की नागरिकता लेने की होड़ रही है। मगर अब देश का मूड बदल चुका है। आर्थिक मामलों के मंत्री जियांकाली जियोर्गेती ने कहा कि विभिन्न देश "वित्तीय लाभ" का ऑफर देने की होड़ में शामिल हों, इटली इस विचार के खिलाफ है। और ये मूड सिर्फ इटली में नहीं है। सुपर रिच लोगों पर टैक्स की एक न्यूनतम वैश्विक दर होनी चाहिए, इस बात की वकालत अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी करते रहे हैं, ये और बात है कि उनके प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मगर अब ब्राजील की अध्यक्षता में जी-20 समूह में ऐसी पहल होने की संभावना बनी है।कुछ समय पहले वहां जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक हुई। उस मौके पर 19 देशों के पूर्व शासनाध्यक्ष भी जुटे। उन्होंने एक साझा बयान में जी-20 देशों से अति धनी लोगों पर टैक्स बढ़ाने का आह्वान किया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज नेसियो लूला दा सिल्वा की पहल पर मशहूर फ्रेंच अर्थशास्त्री गैब्रियेल जुकमैन इस बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर चुके हैं। नवंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में यह चर्चा का प्रमुख मुद्दा होगा। विश्व नेताओं के सामने लगभग हर लोकतांत्रिक देश में धुर-दक्षिणपंथ की उठती लहर की चुनौती है, जिसे सीधे तौर पर वहां चार दशकों से अपनाई गई नव-उदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम माना गया है। इस सामाजिक उथल-पुथल पर काबू पाने के लिए समझ बनी है कि आर्थिक विकास के लाभ में आम जन को सहभागी बनाना अपरिहार्य हो गया है। इस उभरती आम-सहमति पर गौर करें, तो भारत में चल रहा विमर्श बेहद पिछड़ा हुआ नजर आएगा। अब देखने की बात होगी कि जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाते हैं।

भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम

भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रख्यात व सार्वजनिक हस्तियों को जिम्मेदार व्यवहार करना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि विज्ञापन जारी करने की अनुमति से पहले केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के अनुसार, विज्ञापनदाताओं से स्वघोषणापत्र हासिल किया जाए।इस कानून का नियम 7 विज्ञापन संहिता का प्रावधान करता है जिसमें कहा गया है कि विज्ञापन देश के कानूनों के अनुरूप बनाए जाने चाहिए। अदालत पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। ये विज्ञापन निषिद्ध किए जा चुके हैं।पीठ ने संबद्ध केंद्रीय मंत्रालयों को भी इन भ्रामक विज्ञापनों व केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा की गई या प्रस्तावित कार्रवाई से अवगत कराने को भी कहा। प्रचार व विज्ञापन उपभोक्ता को प्रभावित करने में महती भूमिका निभाते हैं। उस पर जब यह किसी प्रख्यात या सार्वजनिक शख्सियत द्वारा किया जा रहा हो तो आम जनता को खास तौर पर प्रभावित करता है। इस मामले में तो कोविड टीकाकरण व आधुनिक चिकित्सा पण्राली को सीधा निशाना बनाया गया था जिस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर की जिस पर सुनवाई चल रही है। इसमें संदेह नहीं कि लाभ के लोभ में कंपनियां भ्रामक प्रचार द्वारा सालों-साल जनता को बरगलाती रहती हैं।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

तन्वी डोगरा के जन्मदिन के अवसर पर गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए।

क्लिप में हम तन्वी को ऑफ-शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है।

भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है।

वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं।स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं।मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था।उन्होंने 2015 में परवरिश-सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था। वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था। जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद डोगरा एक भ्रम..सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां - सुनाएं व्रत कथाएं जैसे शो में दिखाई दीं।

वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।

भारतीय ऑलराउंडर ने की नई पारी की शुरुआत, बीजेपी में शामिल हुए रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने हाल ही में टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का एलान किया था।

अब उन्होंने नई पारी की शुरुआत की है। वह अब भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन गये हैं। जामनगर विधायक और रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा ने एक्स पर इस बात की जानकारी दी।

चुनाव प्रचार में नजर आए

रवींद्र जडेजा को उनकी पत्नी रिवाबा जडेजा के साथ कई बार चुनाव प्रचार में देखा गया था। कई रोड शो भी नजर आए थे। अब उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ले ली है। रिवाबा जडेजा ने एक्स पर इस बात का खुलासा किया है।

मुशीर खान के शतक से संभला भारत

बेंगलुरु : ऋषभ पंत लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी के साथ दस गेंद तक ही टिक सके, लेकिन मुशीर खान के अविजित शतक ने भारत 'ए' के विरुद्ध दलीप ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन भारत 'बी' को सात विकेट पर 202 रन तक पहुंचाया।

एक समय भारत 'बी' के 94 रन पर सात विकेट गिर गए थे, लेकिन इसके बाद मुशीर ने नवदीप सैनी के साथ मिलकर 108 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला।

मुशीर खान 105 रन बनाकर नाबाद 19 वर्षीय मुशीर ने 227 गेंदें खेलीं और 105 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और दो छक्के भी जड़े। वहीं नवदीप सैनी ने 29 रन बनाकर क्रीज पर हैं। मुशीर 14वें ओवर में अभिमन्यु ईश्वरन का विकेट गिरने के बाद मैदान पर उतरे थे। पहली बार दलीप ट्रॉफी खेल रहे मुशीर ने विकेट से मिल रही उछाल का बखूबी सामना करते हुए संयम के साथ खेला और तनुष कोटियान को दो छक्के भी लगाए।

बॉक्स ऑफिस पर नानी की फिल्म सारिपोधा सानिवारम का जलवा

नानी की नवीनतम फिल्म, सारिपोधा सानिवारम ने बॉक्स ऑफिस पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जिसने केवल तीन दिनों में दुनिया भर में 52.18 करोड़ की कमाई की है। तेलुगु राज्यों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद, फिल्म ने एपी और टीएस में उच्चतम संग्रह दर्ज किया है, पिछले 24 घंटों में बुकमायशो पर 204के से अधिक टिकट बुक किए गए हैं। यह नानी की लगातार तीसरी फिल्म है जो इस मील के पत्थर तक पहुँची है, इससे पहले दशहरा और हाय नन्ना ने यह उपलब्धि हासिल की थी।सारिपोधा सानिवारम विदेशों में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है, जिसमें उत्तरी अमेरिका पहला क्षेत्र है जिसने ब्रेकईवन मार्क हासिल किया है, जिसने $1.5 मिलियन से अधिक की कमाई की है। सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण अगले दो दिनों में और अधिक संख्या में उम्मीद के साथ फिल्म की सफलता जारी रहने की उम्मीद है। विवेक अथरेया द्वारा निर्देशित और डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम एक शानदार प्रोडक्शन वेंचर साबित हो रही है।

फिल्म ने मात्र तीन दिनों में दुनिया भर में 52.18 करोड़ की कमाई की है, जो नानी की स्टार पावर और फिल्म की आकर्षक कहानी का प्रमाण है। उत्तरी अमेरिका में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, सारिपोधा सानिवारम विदेशी बाजार में नानी के लिए एक बेंचमार्क बनने के लिए तैयार है।चूंकि फिल्म दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखती है, इसलिए इसकी सफलता से टॉलीवुड में एक प्रमुख अभिनेता के रूप में नानी की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है। मनोरंजन और आकर्षक कथा के अपने अनूठे मिश्रण के साथ, सारिपोधा सानिवारम तेलुगु सिनेमा के प्रशंसकों के लिए अवश्य देखने लायक है।

सूर्या स्टारर कंगुवा की रिलीज डेट बदली?

तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा को लेकर चौंकाने वाला अपडेट आया हैं. कगुंवा तमिल सिनेमा से साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है.

फिल्म मौजूदा साल की 10 अक्टबूर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है. इस दिन साउथ सुपरस्टार थलाइवा रजनीकांत, अमिताभ बच्चन स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म वेट्टैयन भी रिलीज होनी है. दशहरा पर कंगुवा का मुकाबला आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा से भी होगा. ऐसे में खबर आ रही है कि फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट बदल गई है.

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले इंग्लैंड को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के व्हाइट बॉल कैप्टन जोस बटलर 3 मैचों की 20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। जोस बटलर दाहिनी पिंडली की चोट के कारण यह सीरीज नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनके रिप्लेसमेंट का भी एलान हो गया है।

वनडे सीरीज से भी हो सकते बाहर

बटलर इसी महीने खेली जाने वाली वनडे सीरीज खेलेंगे या नहीं, यह भी अभी तय नहीं है। सेरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन ने टी20 टीम में जोस बटलर की जगह ली है। वहीं बटलर की गैरमौजूदगी में फिल साल्ट इंग्लैंड टीम की कमान संभालेंगे।

धूमधाम से मनाया शिक्षा दिवसः समाज का आईना होता है शिक्षक

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्थान समिति सहित विभिन्न स्कूलों में मनाया गया शिक्षक दिवस

शिक्षकों को सम्मानित करती समिति

शहीदलांस नायक धनवीर सिंह राणा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कलालघाटी में शिक्षिका को सम्मानित करती प्रधानाचार्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्थान समिति के साथ ही विभिन्न विद्यालयों में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को भी संस्थाओं की ओर से सम्मानित किया गया।

बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण व समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र बिष्ट ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र और भविष्य के सचेतक है। बिना शिक्षकों के सम्मान के एक आदर्श समाज की परिकल्पना अधूरी है।

सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में विजेंद्र सिंह नेगी, वंदना भारद्वाज, रेनू नेगी, डॉ. रश्मि बहुखंडी, मुकेश रावत, परितोष रावत, डॉ. उमा रावत, रिद्धि भट्ट, शकुंतला बुड़ाकोटी, मंजू नेगी, अनिल बलूनी, सुमंगला पोखरियाल, श्याम सिंह डांगी आदि को सम्मानित किया गया। इस मौके पर फुटबॉल के राष्ट्रीय कोच सुनील रावत, राकेश मोहन ध्यानी, मनोज कुकरेती, सार्थक कंडवाल, सुरेश शर्मा, कमल नेगी, ऋतु चमोली, पंकज भाटिया, हेमन्त गौड़, गौरव मिश्रा, अनीता आर्य, अनुराग कोटनाला, हरि सिंह पुण्डीर, तरुण इष्टवाल आदि मौजूद रहे।

वहीं, राजकीय प्राथमिक विद्यालय ग्रास्टनगंज कोटद्वार में शिक्षा दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। राजेश प्रकाश थपलियाल ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं, शहीद लांस नायक धनवीर सिंह राणा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कलालघाटी में शिक्षक दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारभ विद्यालय की प्रधानाचार्या पुष्पा धस्माना ने किया। छात्राओं द्वारा नृत्य, वाद-विवाद एवम रंगारंग कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका विनीता जोशी को सम्मानित किया गया। वहीं, हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर जानकीनगर में शिक्षक दिवस पर डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को योद किया गया। ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से बोर्ड परीक्षाओं के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शहर के रामलीला मैदान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष रामलीला 124 वां आयोजन दिव्य एवं भव्य होगा। आगामी 3 अक्तूबर से शुरू होने वाले रामलीला मंचन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। इन दिनों रामलीला मैदान में कलाकारों को रामलीला की तालीम दी जा रही है। जिसमें बड़ी संख्या में नए कलाकार भी हिस्सा ले रहे हैं। रामलीला समिति के अध्यक्ष उमाचरण बड़थ्वाल ने बताया कि रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वरिष्ठ रंगकर्मी गौरी शंकर थपलियाल और संगीत संयोजक मनोज रावत अंजुल पात्रों, पार्श्व गायक, गायिका को तालीम दे रहे है। बताया कि 3 से 12 अक्तूबर तक विजय दशमी तक रामलीला का आयोजन किया जाएगा। कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष रामलीला 124 वां आयोजन दिव्य एवं भव्य होगा। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील भी की है।

विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शिक्षक दिवस पर गुरूवार को राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गणित शिक्षक राजीव शर्मा ने बोर्ड परीक्षा 2024 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए 11 छात्रों और वार्षिक गृह परीक्षा 2024 में उच्च अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 6 से 11 तक के छात्रों को सम्मानित किया।

प्रधानाचार्य शोबेन्द्र जोशी ने शिक्षक राजीव शर्मा के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी एवं सभी छात्रों को मेधावी छात्रों से प्रेरणा लेकर आने वाली परीक्षाओ में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। कहा कि हमें अपना लक्ष्य तय कर खूब मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक

शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया

जयन्त प्रतिनिधि।

आइटीडीए कैल्क कोटद्वार में छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस धूम धाम से मनाया गया ।

इस अवसर पर संस्थान के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये शिक्षकों द्वारा भी छात्र छात्रओं को शुभकामना दी गयी । कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक नन्दकिशोर जखमोला अनीता जखमोला अरविंद दुदपुड़ी भारत रावत नितेश रावत मोहित ठाकुर स्वाती कंडवाल ज्योति नेगी शिवानी नेगी सहित छात्र छात्राये उपस्थित रहे।

जंगली जानवरों से बचाव को घर व स्कूल के आसपास नहीं उगने दें झाड़ी

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानव-वन्य जीव संघर्ष से रोकथाम की जानकारी दी गइ। कहा कि हमें अपने घर व विद्यालय के आसपास समय-समय पर झाड़ियों का कटान करना चाहिए। आयोजित कार्यशाला में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को जंगली जानवरों व उनकी प्रजातियों के बारे में बताया। कहा कि गुलदार व मानव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए गढ़वाल वन प्रभाग की ओर से गुलदार कु दगड्या कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों को गुलदार के हमलों से बचाव के तरीके बताए जा रहे हैं। कहा कि मनुष्य जंगली जानवरों के व्यवहार और स्वभाव को नहीं बदल सकता। लेकिन, अपनी दिनचर्या व कार्यशैली में बदलाव लाकर मानव-वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं को कम कर सकता है। बताया कि शिक्षण संस्थाओं को लेपर्ड फ्रेंडली स्कूल बनाने के लिए छात्र-छात्राओं को अकेले नही, बल्कि समूह में स्कूल आना-जाना चाहिए। अपने घरो, गांवों और स्कूलों के आसपास रास्तों में बड़ी झाड़ी न होने दें। रात में घरों के बाहर अकेला नही न आए। पालतू जानवरों को घर के बाहर खुला न छोड़े। इससे बाघ व गुलदार उनको अपना शिकार बनाने के लिए गांवों और बस्ती के नजदीक आ जाते हैं। छोटे बच्चों को खेलने के लिए अकेला नहीं छोड़ना चाहिए।

सचिव वित्त ने रेलवे टनल के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

जनपद के प्रभारी सचिव व वित्त, निर्वाचन, सहकारिता सचिव दिलीप जावलकर श्रमिकों से जानकारी लेते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सचिव वित्त, निर्वाचन, सहकारिता उत्तराखण्ड शासन दिलीप जावलकर ने जनपद भ्रमण के दौरान देवप्रयाग के सौड़ में रेलवे के निर्माणाधीन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण व निर्माणदायी संस्था के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों को लेकर प्रगति की समीक्षा की। सचिव वित्त ने जिलाधिकारी गढ़वाल को निर्देश दिये कि रेलवे टनल के निर्माण कार्यों में लगे मानव संसाधन की सुरक्षा के दृष्टिगत एक बार सेप्टी ऑडिट/मॉक ड्रील करवाना सुनिश्चित करें।

गौरतलब हो कि ऋषिकेश से कर्णप्रयाग के बीच निर्माणाधीन 125 किलोमीटर लम्बी रेल लाईन परियोजना में कुल 16 टनल व 13 स्टेशन शामिल हैं। जिसमें से सौड़ देवप्रयाग से जनासू श्रीनगर के बीच की 15 किलोमीटर लम्बी टनल संख्या-8 का 70 प्रतिशत बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है। कहा कि जर्मनी में बनी इस टीबीएम की लम्बाई 140 मीटर है जिसे भारत में शिव-शक्ति नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है जब टीबीएम भारत के किसी हिमालयी रीजन में पहुंची हो जो कि किसी उपलब्धि से कम नहीं है। इसके उपरांत उन्होंने सुरंग के भीतर जाकर निर्माण कार्यों का जायजा भी लिया।

उन्होंने सुरंग के अंदर कार्य कर रहे लोगों को कार्य करते समय सावधानी बरतने को कहा। इसके बाद सचिव वित्त ने पयाल गांव के पास बने रेलवे डम्पिंग जोन का निरीक्षण के दौरान निर्माणदायी संस्था को सुरक्षा सम्बंधी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये हैं। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, प्रोजेक्ट निदेशक रेलवे राकेश, डीजीएम आरवीएनएल भूपेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता लोनिवि दिनेश बिजल्वाण सहित निर्माणदायी संस्था के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आर्मी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

विद्यार्थियों को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

लैन्सडौन : गुरूवार को आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल के द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया गया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य और सभी शिक्षकों के द्वारा केक काटा गया। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा अध्यापक बनकर कक्षाओं का संचालन किया गया। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। गुरुजनों के लिए विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ रैंप वॉक का आयोजन भी किया गया। विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम कमांडेंट जीआरआरसी के द्वारा शिक्षकों को भेंट प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि इस बार शिक्षक दिवस का थीम है ह्यसतत भविष्य के लिए शिक्षकों को सशक्त बनानाह्व यह जिम्मेदार जागरूक नागरिकों के विकास में शिक्षकों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हैं। इस तरह से समाज में शिक्षकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करने के लिए भारत हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाता है।

मंच ने बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रामीण विचार नागरिक विचार मंच की ओर से बोर्ड परीक्षा के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान सदस्यों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मंच की ओर से रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा 2024 के हाईस्कूल परीक्षा के मैरिट में स्थान प्राप्त 12 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ आईआईटी कानपुर के सेनि. प्रोफेसर डा. राजेंद्र प्रसाद नवानी व गोसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अण्ध्वाल ने किया। मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने पर उच्च शिक्षा में डा. चंद्रप्रभा कंडवाल और विद्यालयी शिक्षा में कल्पना तिवारी और सुंदरलाल जोशी सहित 2024 की उत्तराखंड हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले 12 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच अध्यक्ष प्रवेश नवानी, राकेश लखेड़ा, एसपी थपलियाल, पीएल खंतवाल, विजय लखेड़ा और जेपी ध्यानी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

एक नजर

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विकास मार्ग में मेद्यावी छात्र और शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने मेधावी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सम्मानित किया। वहीं, ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी में विभिन्न सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य अनसूया प्रसाद व अन्य शिक्षकों के द्वारा डॉ. राधाकृष्णन की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर प्रबंधक राजेंद्र जुयाल, नवीन जुयाल, अनूप कुकरेती, ईशान डोभाल, कमलदीप, नीरज, आशीष, अंकित आदि मौजूद रहे।

स्क्रबर चोक, खेतों में जा रही गंदगी

श्रीनगर गढ़वाल : मलेथा-दुगड्डा-टिहरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मालुपानी के समीप स्क्रबर चोक होने के कारण बरसात का पूरा पानी और मलबा काश्तकारों के खेतों को नुकसान पहुंचा रहा है। ग्राम प्रधान पैण्डुला सुनय कुकसाल ने बताया कि मलेथा-दुगड्डा-टिहरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्क्रबर चोक होने के कारण बरसात का सारा पानी और गंदगी काश्तकारों के खेतों में जा रहा है। बताया कि खेतों में गंदगी जाने से किसानों की फसलें और दालें पूरी तरह से खराब हो रही हैं। इस संदर्भ में पहले भी एनएच प्रशासन को कई बार बताया गया है, बावजूद भी कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गयी है। उन्होंने एनएच प्रशासन से जल्द चोक हुए स्क्रबर को खोले जाने की मांग की है। (एजेंसी)

शिविर में 40 लोगों ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के बिड़ला कैम्पस में जय हो छात्र संगठन और कालिंदी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विवि के सीनेट सभागार में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 40 यूनिट रक्त एकत्र कर बेस चिकित्सालय को सुपुर्द किया गया। शिविर का शुभारंभ करते हुए मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश डोढी ने कहा कि यह शिविर सामुदायिक सहयोग की शक्ति को दिखाता है।

फुटबॉल में दुगड्डा ने पौड़ी को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन हो गया है। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान फुटबाल प्रतियोगिता के अंडर-19 बालक वर्ग में दुगड्डा ने पौड़ी को हराया।

राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में बतौर मुख्य अतिथि ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि पूरे जिले में खेलों की महत्ता को बढ़ावा देने व युवा प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करने का कार्य किया। उन्होंने खेलों के माध्यम से एकजुटता व अनुशासन की महत्वपूर्णता पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता ने हमें न केवल खेलों के प्रति उत्साह व ऊर्जा का अहसास कराया, बल्कि यह हमारे युवा खिलाड़ियों के सामर्थ्य व क्षमताओं को भी उजागर करने का एक महत्वपूर्ण मंच था। कहा कि परिश्रम व समर्पण ने इस आयोजन को एक नई ऊंचाई दी है। खेल सिर्फ शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा नहीं देते, आत्मविश्वास, अनुशासन व टीम वर्क जैसे गुण भी सिखाते हैं। कहा कि आज जो भी पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं, वे केवल आपके खेल-कौशल की पहचान नहीं हैं, बल्कि आपके प्रयासों और दृढ़ संकल्प का भी परिणाम हैं। कहा कि हमें भविष्य में इसी तरह खेलों को बढ़ावा देते हुए अपनी युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में काम करना होगा। अंतिम दिन आयोजित प्रतियोगिता के तहत अंडर-19 बालक वर्ग फुटबाल में दुगड्डा ने पौड़ी को, अंडर-17 बालक वर्ग में कोट ने पौड़ी को, अंडर-14 बालक वर्ग में पौड़ी ने दुगड्डा को, अंडर-17 बालिका वर्ग में कोट ने दुगड्डा को परास्त किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार, मोहन सिंह रावत, खींद्र रावत, सुषमा दास, सुनीता मधवाल, लखपत राज खुगशाल आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में गोल के लिए जूझते खिलाड़ी

सरकार गिराने का निर्दलीय विधायक का दावा आधारहीन : रावत

चमोली : चमोली जिले के मुख्यालय गोपेश्वर में भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक के दावे में कोई दम नहीं है। निराधार और भ्रमित करने वाली बात विधायक ने कही है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे मनोयोग से जनहित और विकास के कार्यों के लिए समर्पित है।

भाजपा के सदस्यता अभियान की चमोली जिले में शुरुआत करने के कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। यह संवैधानिक और लोकतांत्रिक ढंग से संगठन और सरकार के संचालन करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी विधानसभा के अनुसार नए सदस्य बनाने और वरिष्ठ सदस्यों को फिर सदस्यता दिलाने का अभियान पूरे देश में संचालित कर रही है।

नारसन में बसों का स्टॉप नहीं होने पर यात्री परेशान

रुड़की। कस्बे में परिवहन निगम की गाड़ियों के नहीं रुकने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इलाके के लोगों ने परिवहन निगम से कस्बे में बसों का ठहराव किए जाने की मांग की है। कस्बा इलाके के दस से ज्यादा गांव का केंद्र है। प्रतिदिन यहां से काफी संख्या में यात्री यहा से दिल्ली और हरिद्वार की तरफ यात्रा करने के लिए पहुंचते हैं। लेकिन कस्बे में परिवहन निगम कि ज्यादातर बस नहीं रुकती, जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ता है।

करीब एक दशक पूर्व तत्कालीन परिवहन मंत्री सुरेंद्र राकेश के सामने इलाके के लोगों ने यह समस्या रखी थी जिसे संज्ञान में लेते हुए तुरंत ही नारसन में बस स्टॉपेज खोल दिया गया था। उत्तराखंड परिवहन निगम की सभी बसें नारसन में रुककर जाती थी। यह सुविधा कई वर्षों तक बराबर चली। यात्रियों ने बताया कि अब करीब चार साल से नारसन का स्टॉपेज बंद है।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

नई टिहरी : राजकीय शिक्षक संघ टिहरी जिलाध्यक्ष दिलबर सिंह रावत ने बताया कि शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रांतीय आह्वान पर प्रधानाचार्य पद पर सीधी भर्ती परीक्षा को निरस्त कराए जाने, सभी स्तर की शत प्रतिशत पदोन्नति की मांग को चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। शिक्षक दिवस न मानते हुए काला फीता बांधकर विरोध किया गया है। शुक्रवार (आज) को ब्लॉक के सभी शिक्षक आकस्मिक अवकाश लेकर मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय नरेंद्रनगर में धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो, संघ उग्र आंदोलन को मजबूर होगा।

प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती का विरोध, शिक्षकों ने दिया धरना

रुद्रप्रयाग : शिक्षक संगठन के पूर्व मंडलीय उपाध्यक्ष नरेश जमलोकी ने आरोप लगाया कि शिक्षकों की मांगों को सरकार लगातार नजरअंदाज कर रही है। सरकार की गलत नीतियों के कारण वर्षों से सेवा कर रहे शिक्षकों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उनकी पदोन्नति का मार्ग पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जिसका समस्त शिक्षक समाज विरोध कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पूरा भरोसा है कि सरकार उनके हितों को ध्यान में रखते हुए आगामी दिनों में होने वाली परीक्षा को रद्द करेगी। शिक्षक संगठन के शाखा अध्यक्ष कमलेश पांडेय, मंत्री दिनेश पुरोहित ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर कार्यवाही नहीं करती आंदोलन जारी रहेगा। कहा कि 35 सालों से शिक्षक एक ही पद पर काम कर रहे हैं।

आवारा पशुधन पर पूर्ण लगाम लगाएं : सचिव दिलीप जावलकर

जनपद प्रभारी सचिव ने ली पौड़ी जनपद के विकास कायी की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद के प्रभारी सचिव व वित्त, निर्वाचन, सहकारिता सचिव दिलीप जावलकर ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होने विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। सचिव ने जनपद में विभिन्न विभागों के निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए तेजी से कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में सचिव दिलीप जावलकर ने आवारा पशुधन पर पूर्ण लगाम लगाने के निर्देश देते हुए संबंधित पशुधारक पर नियमानुसार जुर्माने की व्यवस्था करने तथा पशुधन को गौशालाओं में स्थानांतरित करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी की प्रगति बढ़ाने, फिश प्रोडक्शन को क्लस्टर बेस इम्प्लिमेंट करते हुए लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के दिए निर्देश। उन्होंने सरकार की स्वरोजगार परक योजनाओं को बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करने को कहा। सचिव ने जल जीवन मिशन योजना के कार्यों में बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर सामन्जस्य स्थापित करने तथा राजस्व विभाग और वन विभाग भूमि स्थानान्तरण के प्रकरणों का तेजी से निस्तारण करने को कहा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पी.एम. आवास योजना में शहरों और ग्रामीण दोनों स्थानों पर योग्य लाभार्थियों का चयन करते हुए योजना का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृत सरोवरों की गुणवत्ता बेहतर करने तथा कुछ अमृत सरोवर मत्स्य विभाग को मत्स्य पालन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु स्थानांतरण करने को कहा। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में प्रभारी सचिव द्वारा दिए गये निर्देशों का अनुपालन करते हुए आख्या प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यों को गुणवत्तापूर्वक करते हुए समय पर पूर्ण करें। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकक्षक लोकेश्वर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पांडे, डी.एफ.ओ गढ़वाल स्वप्निल अनिरूद्व, पी0डी0 डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, अधीक्षण अभियन्ता लोनिवि पी0एस0 बृजवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार, जिला विकास अधिकारी मनविन्द्र कौर, उपजिलाधिकारी अनिल चन्याल अधिशासी अभियन्ता लोनिवि दिनेश बिजल्वाण, केएस नेगी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. देवेन्द्र बिष्ट, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, सहित अन्य विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

जनपद के प्रभारी सचिव व वित्त, निर्वाचन, सहकारिता सचिव दिलीप जावलकर बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन **16.00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या	151-DRM-MB-24-25 Dt. 04.09.2024	152-DRM-MB-24-25 Dt. 04.09.2024	153-DRM-MB-24-25 Dt. 04.09.2024	154-DRM-MB-24-25 Dt. 04.09.2024	155-DRM-MB-24-25 Dt. 04.09.2024
कार्य का नाम	Elimination of level crossing no. 48/C and 41 A/C by providing LHS by pushing method on MB-GZB in the section of ADEN/GJL.	Elimination of level crossing no. 459 and 460 by providing LHS by pushing method on MB-SRE in the section of ADEN/NBD.	Elimination of level crossing no. 69 and 76/C by providing LHS by pushing method on MB-GZB in the section of ADEN/HPU.	Provision of infrastructural facilities, monitoring mechanisms, FOIS/TMS and facilities for merchants at Hapur goods shed under the jurisdiction of ADEN/HPU.	Setting up of new railway goods shed at Hakimpur Railway Station under the jurisdiction of ADEN/GJL.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	01.10.2024	01.10.2024	01.10.2024	01.10.2024	01.10.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 बजे	16:00 बजे	16:00 बजे	16:00 बजे	16:00 बजे
अनुमानित लागत (रु.)	8,05,24,316.77	9,91,88,123.05	9,83,92,718.07	2,95,78,090.47	4,64,27,968.94
धरोहर राशि (रु.)	5,52,600.00	6,46,000.00	6,42,000.00	2,97,900.00	3,82,100.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	12 माह	12 माह	10 माह	10 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	17.09.2024	17.09.2024	17.09.2024	17.09.2024	17.09.2024

सं.: Sr.DEN-IV/Publication/24-25 दिनांक: 05.09.2024 2771/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का किया सम्मान

नई टिहरी : शिक्षक दिवस पर गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र चंबा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक के लिए के सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

बीआरसी चंबा में आयोजित इस सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बीईओ नरेश कुमार हल्दयानी ने कहा कि शिक्षकों सम्मान जरूरी है। शिक्षकों को सम्मान के प्रति गरिमामयी रहने की आवश्यकता है। साथ ही कहा कि समस्यायें हमेशा रहती हैं, लेकिन शिक्षकों को इसके लिए रास्ते तलाशते रहने हैं।

उत्तराखंड के वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा चुने गए इंडियन फेडरेशन ऑफ डिजिटल मीडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

ओडिसा की राजधानी भुवनेश्वर में हुआ डिजिटल मीडिया पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

भुवनेश्वर : ओडिसा की राजधानी भुवनेश्वर शहर में डिजिटल मीडिया पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शिरकत करने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों व शहरों से 300 से अधिक पत्रकार ओडिसा की राजधानी भुवनेश्वर पहुँचे थे। डिजिटल मीडिया के इस राष्ट्रीय सम्मेलन में राजनीतिक, सामाजिक, औद्योगिक जगत की हस्तियों ने भी अपने विचार रखे। वहीं सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए इंडियन फेडरेशन ऑफ डिजिटल मीडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा ने कहा कि आज के तकनीक और इंटरनेट के वर्तमान युग में पारंपरिक मीडिया डिजिटल मीडिया में बदल रहा है। पत्रकारिता में काम कर रहे सभी पत्रकारों को डिजिटल मीडिया की पूरी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों- विश्वसनीयता, डिजिटल मीडिया के लिए अच्छा कंटेंट कैसे तैयार करें, डिजिटल मीडिया क्या है। इनपुट-आउटपुट, डिजिटल मीडिया के लिए सोशल मीडिया डेस्क, पीपीएफ, वीडियो और ऑडियो पॉडकास्टिंग, क्रिएटिव और शॉर्ट प्रोडक्शन के बारे में बताया और अवधि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मीडिया एक नया डेटा संसाधन बन रहा है, जिसे पत्रकारिता की दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव कहा जा रहा है।कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत करने के लिए पड़ोसी मुल्क श्रीलंका की जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ श्रीलंका के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अनिल पेरेरा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल मीडिया की भूमिका को सबके समुख रखा। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक उड़ीसा डिजिटल मीडिया एशोसिएएशन के अध्यक्ष तुसार पटनायक, तेलंगाना के वरिष्ठ पत्रकार शांतागम, छत्तीसगढ़ के पत्रकार सोनी, भवनेश्वर के वरिष्ठ पत्रकार भागवत तिरपाठी, वरिष्ठ पत्रकार राम दास, हेमा शर्मा, सविता धीर, विमल कृष्ण थंभ, दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिश्रा ने डिजिटल मीडिया की नीतियों व पत्रकारिता में डिजिटल मीडिया की भूमिका पर अपने सुझाव रखने के साथ समाधान भी बताए। इस मौके पर उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून से राकेश बिजल्वाण, अवधेश नौटियाल व रमन जायसवाल मौजूद रहे। इस मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें ओडिशा की सांस्कृतिक लोक विरासत के विभिन्न रंग देखने को मिले। छात्र-छात्राओं के नृत्य ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इंडियन फेडरेशन ऑफ डिजिटल मीडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा ने कहा नए माध्यमों में इंटरनेट या वैब आधारित ऑनलाइन पत्रकारिता ने आज अलग अहमियत हासिल कर ली है। इस माध्यम ने प्रिंट ही नही, रेडियो और टीवी के समक्ष भी एक असरदार चुनौती उपस्थित की है। दुनिया के अनेक विकसित देशों में सोशल मीडिया और ऑनलाइन समाचार माध्यम आम लोगों के लिए सूचना और समाचार के प्राथमिक माध्यम हो गए हैं। भारत जैसे विकासशील देश में भी यह प्रवृत्ति जोर पकड़ रही है। कम साधनों में समाचार पोर्टल, वैब पत्रिकाएँ, अखबारों, न्यूज चैनलों और मीडिया संगठनों की वैबसाइट ऑनलाइन संस्करण और यूट्यूब चैनल आदि तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। उन्होंने कहा पिछले एक दशक में दुनिया में और भारत में भी सोशल मीडिया संवाद, सूचना और नैटवर्किंग के एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है।

आम जन के अलावा विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों और कार्यकर्ताओं, लेखकों-पत्रकारों, समाजशास्त्रियों, नेताओं, अभिनेताओं, खिलाड़ियों आदि ने और उद्योग-व्यवसाय के साथ संस्थाओं और समूहों ने ब्लॉग, पॉडकास्ट, फेसबुक, ट्विटर, इन्स्टाग्राम, यूट्यूब, वॉट्सऐप, स्नैपचैट आदि प्लेटफॉर्म्स को अपनी अभिव्यक्ति और संवाद-संपर्क का माध्यम भी बनाया है। इसके कारण पत्रकारिता के तौर-तरीकों में भी काफी बदलाव आए हैं। नए डिजिटल माध्यमों में पारम्परिक माध्यमों के समाहित होते जाने के कारण पत्रकारिता में प्रिंट, प्रसारण और डिजिटल के बीच का फर्क बेमानी सा होता जा रहा है। समाचार-कक्षों का एकीकरण हो रहा है, सम्पादकीय टीम की भूमिकाएं बदल रही हैं और तकनीकी कौशल की मांग बढ़ रही है। इंडियन फेडरेशन ऑफ डिजिटल मीडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा ने कहा जल्द वह पूरी कार्यकारिणी के साथ दिल्ली जाकर केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री से मिलकर डिजिटल मीडिया को लेकर एक विस्तृत नीति लाने की मांग करेंगे। एक ऐसी नीति जिसमें डिजिटल मीडिया पत्रकारों के लिए विस्तृत गाइडलाइंस हो साथ ही उनके हितों का पूरा ध्यान रखा जाए।

अरुण शर्मा ने कहा पत्रकार हितों को लेकर फैसले लेने में सबसे आगे है उत्तराखण्ड की धामी सरकार

इंडियन फेडरेशन ऑफ डिजिटल मीडिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा ने कहा उत्तराखंड की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पत्रकारों के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहती है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश में विभिन्न मुद्दों पर पत्रकारों के हितों के लिए एक से बढ़कर एक निर्णय लिये हैं। राज्य में न्यूज पोर्टलों को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया हर साल होती है। वर्तमान में लगभग 700 से अधिक न्यूज पोर्टल उत्तराखण्ड सूचना विभाग में सूचीबद्ध हैं। सरकार समय-समय पर न्यूज पोर्टल पत्रकारों को विज्ञापन जारी करती रहती है। इसके साथ ही हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डिजिटल माध्यम से ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर भी प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित कंटेंट, वीडियो, ट्वीट, पोस्ट और रील को प्रदर्शित किए जाने के लिए इनसे संबंधित नीति बनाने पर कार्य शुरूकर दिया गया है। उन्होंने बताया धामी सरकार ने पत्रकारों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए पत्रकार कल्याण कोष के लिए क्वॉर्पस फंड की धनराशि 05 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ किया है। इसके साथ ही पत्रकारों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस लागू करने के संबंध में उन्होंने विभाग को परीक्षण करने के निर्देश दिये हैं। सीएम धामी ने तहसील स्तर पर कार्य कर रहे पत्रकारों के बारे में निर्णय लेते हुए पत्रकारों को मान्यता प्रदान करने के लिए भी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये हैं।

कार्यालय सहायक अभियन्ता (प्रथम), ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड पौड़ी

पत्रांक 42 /दो-लेखा-15/निविदा सूचना/2024-25 दिनांक 29/08/2024

''अल्पकालीन निविदा सूचना''

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड देहरादून की ओर से अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों की सीलबन्द निविदा दिनांक 18-09-2024 के अपराह्न 11:00 बजे तक विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदायें अद्योहस्ताक्षरी अथवा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा उसी दिन 12:00 बजे खोली जायेंगी। कार्य की निविदा दिनांक 17-09-2024 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक प्रखण्ड कार्यालय पौड़ी में बेची जायेंगी। उक्त कार्यों से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी एवं विभागीय शर्तें आदि किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड	अनुमानित लागत (लाख रू0)	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1	विकासखण्ड पौड़ी में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी के आवास टाईप-03 का मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य।		4.90	15,000.00	500.00 +GST 18%	03 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च
2	जनपद मुख्यालय के इण्डोर स्टेडियम कण्डोलिया के आवासीय क्रीड़ा छात्रावास (बैडमिंटन) के 01 कमरे का मरम्मत कार्य।	पौड़ी	8.50	25,500.00	1000.00 +GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च
3	विकासखण्ड खिर्सू के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कल्यासौड़ (धारी देवी) का मरम्मत कार्य।		6.00	18,000.00	1000.00 +GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च
4	विकासखण्ड खिर्सू के राजकीय प्राथमिक विद्यालय भट्टीसेरा का मरम्मत एवं रंग-रोंगन कार्य।	खिर्सू	8.00	24,000.00	1000.00 +GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च
5	विकासखण्ड खिर्सू के राजकीय प्राथमिक विद्यालय लंगाल्यू बगड़ का मरम्मत एवं रंग-रोंगन कार्य।		8.00	24,000.00	1000.00 +GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च
6	विकासखण्ड खिर्सू के वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान श्रीनगर गढ़वाल के परिसर में फार्माकोलाजी विभाग को जाने वाले मार्ग का निर्माण कार्य।		4.90	15,000.00	500.00 +GST 18%	03 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च

सहायक अभियन्ता (प्रथम),
ग्रामीण निर्माण विभाग,
उपखण्ड पौड़ी।

शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आठ शिक्षक व 10 साहित्यकार हुए सम्मानित

चमोली : शिक्षक दिवस पर सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत गीता स्वामी राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज गोपेश्वर में पुस्तक वितरण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के आठ शिक्षकों व 10 साहित्यकारों को पूर्व मुख्यमंत्री व गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने सम्मानित किया। इस दौरान जनपद के 108 विद्यालयों में लघु पुस्तकालय स्थापित करने के लिए पुस्तकों का वितरण भी किया गया।

गीता स्वामी राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज गोपेश्वर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री व गढवाल सांसद ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र का माल्यार्पण भी किया। उन्होनें कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रभाषा हिन्दी के संरक्षण और सवर्द्धन के लिए कार्य शुरु किया है। जिसके तहत हिंदी की पुस्तकों से दूर होती नई पीढ़ी को पुस्तकों से जोड़ने के उद्देश्य से विद्यालयों में लघु पुस्तकालय स्थापित किए जा रहे हैं। कहा कि दुनिया की सभी भाषाओं का जानना बुरा नहीं है। लेकिन अपनी राष्ट्रभाषा को भी संरक्षित करना आवश्यक है। वहीं उन्होंने इस दौरान शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी बढ़ी है। ऐसे में शिक्षकों का मैं स्वयं बहुत सम्मान करता हूँ। कार्यक्रम के दौरान सहित्यकार ज्योति बिष्ट, मुरली दिवान, रोशनी पोखरियाल, कुलदीप गैरोला, बृजेश रावत, दर्शन सिंह नेगी गढ़देशी, अनुराधा, भगत सिंह राणा 'हिमाद', शशि देवली, दीपक सती को प्रमाण पत्र व पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया। जबकि शिक्षक राकेश चंद्र थपलियाल, एकता नेगी, अनूप खंडूरी, बृजमोहन जोशी, मदन कपरवाण, गजपाल पुंडीर, रजनी नौटियाल व शिशुपाल सिंह बर्त्वाल को शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात जनपद के 108 विद्यालयों से आए शिक्षकों को लघु पुस्तकालय स्थापना के लिए पुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान गीता स्वामी राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज गोपेश्वर के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत की गीत प्रस्तुति भी दी।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382—222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com